अस्पताल चकाचक, 'इलाज' बीमार

मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक में 3 माह से नहीं बन रहा पर्चा

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 16 जुलाई. आम जनता को घर के पास ही मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण इलाज मुहैया कराने के दावे के साथ शुरू किए गए मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक खुद 'बीमार' हो चुके हैं. बाहर से चमचमाती इन इमारतों के भीतर की हकीकत बेहद चौंकाने वाली है. कहीं डॉक्टर ही लापता हैं, तो कहीं कर्मचारी अपनी मर्जी से क्लीनिक चला रहे हैं.

प्रोफेसर कॉलोनी स्थित संजीवनी क्लीनिक की बिल्डिंग देखने में बिल्कुल टकाटक है. गुरुवार को जब नवभारत रिपोर्टर यहां खुद पर्चा बनवाने पहुंची तो अव्यवस्था के एक एक धागे खुल गये. बता दें यहां स्टॉफ है, कर्मचारी हैं और नर्स भी हैं, लेकिन डॉक्टर ही गायब हैं. स्टॉफ के अनुसार करीब 3 महीने पहले यहां तैनात डॉक्टर रिटायर हो गए. जिसके बाद से यह पद खाली है. स्टॉफ ने बताया कि सीएमएचओ को पत्र भी लिखा जा चुका है, लेकिन अब तक डॉक्टर की नियुक्ति नहीं हो सकी. वहीं डॉक्टर न होने से रोजाना करीब 50 से 60 मरीज बिना इलाज ही लौटने को मजबूर हैं. स्टाफ का कहना है कि बिना डॉक्टर के वे मरीजों का पर्चा भी नहीं बना सकते, क्योंकि पर्चे पर दवा लिखने वाला कोई नहीं है.

प्रोफेसर कॉलोनी स्थित संजीवनी क्लीनिक में खाली पड़ी डॉक्टर की कुर्सी.

इनका कहना है

जिले में डॉक्टरों की कमी है, डॉक्टर की नियुक्ति के लिये संबंधित विभाग को पत्र भी लिखा गया है. हमारी तरफ से प्रयास जारी है. जहां पर डॉक्टर हैं वहां लापरवाही पर कार्रवाई की जायेगी.

डॉ. मनीष शर्मा,
सीएमएचओ, भोपाल

स्टॉफ असुरक्षित, असामाजिक तत्वों का डेरा

प्रोफेसर कॉलोनी क्लीनिक स्टॉफ ने यह भी बताया कि इलाके के असामाजिक तत्व आए दिन क्लीनिक में आकर जबरन बैठ जाते हैं. बिना बीमारी के मनमर्जी से दवाइयां मांगते है, न देने पर अव्यवहारिक तरीके से डराते धमकाते हैं. इसकी शिकायत भी वरिष्ठ अधिकारियों से की गई है, लेकिन कोई जिम्मेदार कार्रवाई नहीं कर रहा है. क्लीनिक में पुरुष स्टॉफ के साथ महिला भी है, जिन्हें हमेशा किसी अप्रिय घटना का डर सताता रहता है.

कमला नगर संजीवनी में डेढ़ बजे ही पर्चा बनाना बंद

इसी तरह कोटरा, कमला नगर स्थित संजीवनी क्लीनिक में देखने में भी डॉक्टरों और कर्मचारियों की मनमानी देखने को मिली. जहां दोपहर 1 बजकर 41 मिनट पर ही पर्चा बनाने से मना कर दिया गया. पूंछने पर पहले कहा गया कि लंच टाइम है. लेकिन थोड़ी देर बाद अन्य कर्मचारी ने बिना समय देखे कहा कि ओपीडी का समय केवल 9 से 2 बजे तक का है. हालांकि रिपोर्टर ने कहा कि नियमानुसार समय सुबह 9 से 5 बजे तक का है. जिस पर कर्मचारी ने कहा शाम में डॉक्टर नहीं बैठते केवल कागजी काम होता है. लेकिन इसमें हैरानी की बात तो यह है कि 2 बजे से पहले ही पर्चा काउंटर बंद कर दिया गया.

न्यूमार्केट और छोला क्षेत्र में अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई

भोपाल. राजधानी में दो जगह गुरुवार को अतिक्रमण विरोधी और अवैध निर्माण की बड़ी कार्रवाई की गई. इसमें एक गोविंदपुरा तहसील क्षेत्र के छोला में अवैध निर्माण और न्यू मार्केट बाजार में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई. यह दोनों कार्रवाई नगर निगम के अतिक्रमण अमले ने की. जिले के गोविंदपुरा तहसील के छोला रोड स्थित प्रेम नगर फेज-2 में अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त किया गया. जिला प्रशासन और नगर निगम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बिना टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (टीएनसीपी) और रेरा की अनुमति के विकसित की जा रही कॉलोनी पर बुलडोजर चलाया. प्रशासन पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि बिना वैधानिक अनुमति के विकसित की जा रही कॉलोनियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी. शहर के प्रमुख बाजार न्यूमार्केट में नगर निगम के अतिक्रमण अधिकारी शैलेन्द्र भदौरिया ने अतिक्रमण हटाने की अपने दल के साथ सुबह से ही कार्रवाई की शुरुआत की. अतिक्रमण अमले को देखते ही हाथ ठेले, टेबल पर सामने बेचने के साथ फुटपाथ पर बैठे दुकानदारों में हड़कंप मच गया.

76 प्रतिशत अधिवक्ताओं ने की वोटिंग

जिला अभिभाषक संघ के चुनावी नतीजे आज आएंगे

76 प्रतिशत वोटिंग हुई

04 बजे नतीजे की संभावना

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 16 जुलाई. जिला अदालत परिसर में अभिभाषक संघ के चुनाव के लिए गुरुवार को मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ. चुनावी प्रक्रिया के दौरान 76 प्रतिशत मतदाताओं यानी 4 हजार 402 अधिवक्ताओं ने अपने मत का उपयोग किया. शुक्रवार को वोटों की गिनती सुबह से की जाएगी और शाम 4 बजे चुनाव के परिणाम जारी कर दिए जायेंगे. मतदान के दौरान अधिवक्ताओं ने कतार में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार भी किया.

मुख्य चुनाव अधिकारी और अधिवक्ता वासु वासवानी ने बताया कि जिला अभिभाषक संघ के लिए मतदान संपन्न हुआ है. वोटिंग के दौरान अधिवक्ताओं ने अपनी रुचि दिखाई और अधिक से अधिक लोगों ने मतदान किया. वोटिंग प्रक्रिया के तहत 5 हजार से 781 अधिवक्ताओं के नाम शामिल किए गए थे. 8 पदों के लिए अलग-अलग अधिवक्ताओं ने उम्मीदवार के तौर पर अपनी भागीदारी निभाई. कोर्ट परिसर में इस मौके पर सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी रखी गई. कोर्ट के सभी गेट पर पुलिसकर्मी तैनात रहे और गेट भी बंद रखे गए. चारों तरफ की सड़कों पर भी पुलिस ने बैरिकेडिंग की. जिला अदालत परिसर में इस दौरान पूरे दिन पैनलिस्ट और उनके परिवार के लोग भी मौजूद रहे. दिनभर की तेज धूप और गर्मी के बीच वोटिंग प्रक्रिया शाम के करीब 5 बजे तक चली. मतगणना और परिणामों को लेकर अधिवक्ताओं में उत्सुकता बनी है. कोर्ट परिसर में पीने की बैठने और पीने पानी की व्यवस्था, पार्किंग सहित मूलभूत सुविधाओं के मुद्दे चुनावी सीजन में अधिवक्ताओं की तरफ से पहले ही उठाए गए. जिला अभिभाषक संघ के चुनाव में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष महिला, सचिव, सह सचिव, कोषाध्यक्ष, पुस्तकालय, वरिष्ठ महिला कार्यकारिणी, वरिष्ठ पुरुष कार्यकारिणी और कनिष्ठ पुरुष कार्यकारिणी के लिए उम्मीदवार चुनाव लड़े.

जेपी अस्पताल की 15 दिनों से लिफ्ट बंद

- दर्द में रैम्प और सीढ़ियों से जाने को मजबूर मरीज

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 16 जुलाई. जेपी अस्पताल में अव्यवस्थाओं का सिलसिला थमने का नाम ही नहीं ले रहा है. शिकायत पर एक व्यवस्था दुरुस्त होती है. तो अगले ही कुछ दिनों में दूसरी अव्यवस्था मरीजों के गले आ पड़ती है.

बता दें पिछले 15 दिनों से अस्पताल की लिफ्ट बंद पड़ी हुई है. ऐसे में यहां आने वाले मरीजों को मजबूरन रैम्प या फिर सीढ़ियों का सहारा लेना पड़ रहा है. ऐसे में कई मरीज गंभीर रूप से घायल भी आते हैं. जिन्हे दर्द में मजबूरन सीढ़ियों और रैम्प के सहारा लेना पड़ता है. हालांकि इस मामले में लिफ्ट के मेंटेनेंस मैकेनिक ने बताया कि लिफ्ट के ट्रांसफार्मर में तकनीकी खराबी आ गई है. जिसकी जानकारी संबंधित कंपनी को दे दी गई है. मशीन का सामान बाहर से मंगाया जा रहा है. उसके आने के बाद ही तकनीकि समस्या दूर कर लिफ्ट को शुरू किया जायेगा. अस्पताल की इन व्यवस्थाओं को लेकर यह कहना गलत नहीं होगा कि जिला अस्पताल इन दिनों वेंटिलेटर पर आ चुका है.

बता दें पिछले कुछ दिनों पहले भी नवभारत ने गंदे स्ट्रेचर की तस्वीर प्रकाशित की थी. जिसमें मरीज का खून लगा हुआ था और उसे किसी दूसरे मरीज के लिये छोड़ दिया गया था. इस मामले में भी रोजाना इस्तेमाल होने वाले स्ट्रेचर को साफ करने के लिए सैनेटाइजेशन का काम नहीं किया जा रहा है और न ही हर नए मरीज के लिये स्ट्रेचर पर लगने वाली डिस्पोजेबल शीट को बदला जा रहा है. जिससे लगातार अस्पताल में आने वाले मरीजों पर संक्रमण का खतरा बना हुआ है.

इस संबंध में सिविल सर्जन संजय जैन से बात करने की कोशिश की गई, लेकिन बात नहीं हो सकी.

नोटिसों का जवाब न देने पर भोपाल एकेडमी सील

भोपाल. नगर निगम के फायर शाखा ने गुरुवार एमपीनगर जोन-2 कोचिंग क्लासेस का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान पूर्व में अग्नि सुरक्षा सुनिश्चित कराने हेतु दिए गए नोटिसों की जानकारी प्राप्त की. वहीं, नोटिस का जवाब न देने पर भोपाल एकेडमी को सील कर दिया गया. जबकि स्टेप अप नेट मिंटोरा, ला पेग, कोचिंग संचालकों द्वारा जवाब प्रस्तुत करने हेतु समय मांगने पर दो-दो दिवस की मोहलत दी गई. वहीं जब निगम का फायर अमला आकाश कोचिंग क्लासेस पर सील करने पहुंचा तो संचालक ने जल्द ही शपथ पत्र द्वारा जवाब प्रस्तुत कर दिया.

भवन अनुज्ञा शाखा के अधिकारों का बंटवारा

- अपर आयुक्त, उपायुक्त, मुख्य नगर निवेशक
- नगर निवेशक, भवन अधिकारी को मिले अधिकार

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 16 जुलाई. नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने गुरुवार को भवन अनुज्ञा शाखा के कार्यों विभाजन करते हुए अधिकार सौंपने के आदेश जारी किए हैं. जिससे जनता के कार्यों को जल्द से जल्द समय पर किया जा सके.

साथ ही अब सभी कार्य ऑनलाइन होंगे. अगर कोई फाईल मेन्यअल लेकर आता है से मना कर दिया जाएगा. इस आदेश का मुख्य उद्देश्य कार्यों में पारदर्शी, तेज और जवाबदेही तय करना है. अभी तक यह अधिकार सिर्फ निगमायुक्त को ही थे. आदेश के अनुसार अपर आयुक्त और उपायुक्त को भवन अनुज्ञा के मामलों में कार्रवाई करने, मैरिज गार्डन के स्थायी एवं अस्थायी लाइसेंस जारी करने के अधिकार दिए गए है. आदेश का उल्लंघन करने या लापरवाही वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. साथ ही इस संबंध में पूर्व में जारी सभी आदेश तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए गए हैं.

मुख्य नगर निवेशक को 223 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले आवासीय और व्यावसायिक भवनों की अनुज्ञा स्वीकृत करने और पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करने का अधिकार दिया गया है.

अधिकारियों-कर्मचारियों पर प्रशासनिक नियंत्रण

प्रशासनिक स्तर पर अपर आयुक्त और उपायुक्त को अवैध कॉलोनियों के सर्वे के लिए 10 लाख रुपये तक की राशि स्वीकृति, विधानसभा के लिए जवाब, न्यायालयीन मामलों की निगरानी के अधिकार दिए गए हैं. इसके अलावा भवन अनुज्ञा शाखा के अधिकारियों-कर्मचारियों की गतिविधियों व कार्यों देख रेख की जिम्मेदारी दी गई है.

संभाग आयुक्त एवं आईजी ने की राजस्व एवं पुलिस विभाग की समीक्षा बैठक

भोपाल. संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा एवं पुलिस महानिरीक्षक देहात रुचिवर्धन सिंह की अध्यक्षता में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में आगामी त्योहारों की तैयारियों तथा विभागीय समन्वय की समीक्षा की गई. बैठक में पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी ने पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से सड़क सुरक्षा, नशा मुक्ति एवं नशाग्रस्त व्यक्तियों के पुनर्वास, सीसीटीवी स्थापना, शस्त्र लाइसेंस, प्रतिबंधात्मक कार्रवाई, बाउंड ओवर तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी दी.

वरिष्ठ नागरिक पुलिस पंचायत ने सुलझाए विवाद

विशेष संवाददाता

भोपाल, 16 जुलाई. पुलिस की 'देशभक्ति-जनसेवा' की भावना के अनुरूप विदिशा पुलिस द्वारा संचालित सीनियर सिटीजन पुलिस पंचायत वरिष्ठ नागरिकों के पारिवारिक, संपत्ति और भरण-पोषण संबंधी विवादों के समाधान का प्रभावी मंच बनकर उभरी है. इस पहल का उद्देश्य बुजुर्गों को समय पर न्याय, सम्मानजनक जीवन और भावनात्मक सुरक्षा उपलब्ध कराना है.

विदिशा पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे के मार्गदर्शन में आयोजित हालिया पुलिस पंचायत में वरिष्ठ नागरिकों से जुड़े आठ प्रकरणों की सुनवाई की गई. कोर कमेटी ने सभी मामलों में संवाद, समझाइश और आपसी सहमति के माध्यम से समाधान कराने का प्रयास किया. सबसे संवेदनशील मामले में एक सेवानिवृत्त शासकीय कर्मचारी की विधवा ने आरोप लगाया कि पति की मृत्यु के बाद उनके बेटों ने उन्हें बेसहारा छोड़ दिया.

चलित न्यायालय के माध्यम से वाहनों की चेकिंग की कई

भोपाल. जिला न्यायालय के आदेश पर गुरुवार को भी को चलित न्यायालय लगाकर वाहनों की चेकिंग की कई. चीफ ज्युडिशियल मजिस्ट्रेट अग्नीन्द्र कुमार द्विवेदी की अगुवाई में इस दौरान आईएसबीटी बस स्टैंड के पास लगातार दूसरे दिन भी हूटर लगाये हुए वाहन, सायरन, ब्लैक फिल्म सहित वाहनों पर नगरीय यातायात ने चालानी कार्रवाई की.

संकुल से सत्यापन के बाद भी अटके अनुभव प्रमाण पत्र

- जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालयों में लंबित पड़े हैं दावे

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 16 जुलाई. प्रदेश के सरकारी स्कूलों में अपनी सेवाएं दे चुके अतिथि शिक्षकों के अनुभव प्रमाण पत्र के सत्यापन की प्रक्रिया प्रशासनिक सुस्ती के कारण अटक गई है. स्कूल शिक्षा विभाग के गेस्ट फैकल्टी मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल पर संकुल प्राचार्यों द्वारा दावों का सत्यापन किए जाने के बाद भी अंतिम मंजूरी नहीं मिल पा रही है.

एक महीना बीत जाने के बाद भी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालयों से इन दावों को हरी झंडी नहीं मिली है.

जिससे प्रदेश भर के हजारों अतिथि शिक्षक मानसिक और तकनीकी रूप से परेशान हो रहे हैं पोर्टल के स्टेटस रिपोर्ट के अनुसार अतिथि शिक्षकों के अनुभव के दावों को संकुल प्राचार्यों ने जांच कर सत्यापित कर दिया है. इसके बाद इन सत्यापित दावों को जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में अंतिम रूप से प्रेषित करने के लिए लंबित दिखाया जा रहा है. वहीं अलग-अलग कार्य दिवसों के अनुभव दावों की फाइलें डीईओ स्तर पर अटकी हुई हैं.

गैंगस्टर हैरी बॉक्सर पर शिकंजे की तैयारी

भोपाल. एमपी एसटीएफ अब जल्द ही लॉरेंस बिश्नोई गैंग के खास हैरी बॉक्सर पर शिकंजा कसेगा. इसके लिए लुक आउट सर्कुलर जारी होगा. गैंगस्टर हैरी बॉक्सर की गिरफ्तारी के लिए एसटीएफ अब एलओसी जारी करेगी. फरार गैंगस्टर की तलाश में एजेंसियों ने कार्रवाई तेज कर दी है. दिल्ली पुलिस पहले ही हैरी बॉक्सर के खिलाफ एलओसी जारी कर चुकी है. देशभर के एयरपोर्ट और इमिग्रेशन चेक पोस्ट पर निगरानी बढ़ाई गई है. आरोपी के विदेश भागने की आशंका को देखते हुए कार्रवाई जारी की जा रही है. गैंगस्टर की तलाश में अलग-अलग सुरक्षा एजेंसियां जुटीं है. इसके लिए एसटीएफ और दिल्ली पुलिस संयुक्त होकर कार्रवाई मामले में कर रही है.

किसानों ने सीएमडी कार्यालय का किया घेराव

नवभारत संवाददाता

भोपाल. सीहोर जिले के सैकड़ों किसानों ने गुरुवार को भोपाल पहुंचकर मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के सीएमडी कार्यालय गोविंदपुरा का घेराव किया.

किसानों ने कंपनी के अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और पीड़ित किसान सतीश मेवाड़ा को न्याय दिलाने की मांग को लेकर सीएमडी ऋषि गर्ग को ज्ञापन सौंपा. मामला जिले के ग्राम बड़वेली निवासी किसान सतीश मेवाड़ा के साथ हुए हादसे का है जिसमें उसकी मृत्यु खेत में काम करते समय 11 केवी विद्युत लाइन से हो गई. क्योंकि इसके तार नीचे लटक रहे थे. इस हादसे के बाद ग्रामीणों ने मृतक के परिवार को आर्थिक सहायत और शासकी नौकरी देने की मांग की है.

प्रदर्शन में सीहोर जिले के बड़वेली, चंदेरी, बिलकिसगंज, ढाबला, मगरखेड़ा, खजूरिया खुर्द, रामखेड़ी, अमरूद, चांदी, पचामा, जामुनी पाली, पिपलिया मीरा, रातीखेड़ा सहित दर्जनों गांवों के किसान शामिल हुए.

सजगता | सांसद शर्मा ने पुलिस अधिकारियों के साथ की बैठक

यातायात व्यवस्था सुधारने पर सख्ती

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 16 जुलाई. सांसद आलोक शर्मा ने गुरुवार को पुलिस कमिश्नर कार्यालय में शहर की यातायात व्यवस्था को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की. बैठक में शहर के 16 ब्लैक स्पॉट समाप्त करने, 37 लेफ्ट टर्न ठीक करने, ट्रैफिक सिग्नलों को चालू करने, यातायात में बाधा बन रहे अतिक्रमण या कंडम वाहन हटाने, विद्युत पोल हटाने सहित अन्य बाधाओं को शिफ्ट करने तथा ई-रिक्शा के सुव्यवस्थित संचालन सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से समीक्षा की गई.

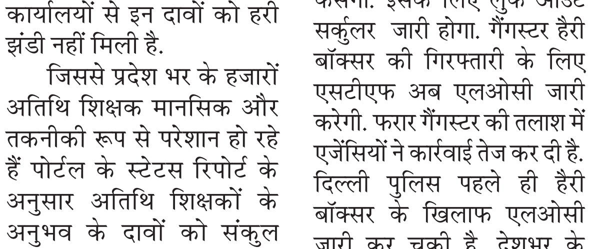

पुलिस कमिश्नर संजय कुमार, महापौर मालती राय, नगर निगम, एवं संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे. सांसद शर्मा ने अधिकारियों से कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि आम नागरिकों को बाजार, स्कूल, कार्यालय, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और अन्य स्थानों तक आने-जाने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े. उन्होंने स्पष्ट कहा कि शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम और सुरक्षित बनाना सभी विभागों की सामूहिक जिम्मेदारी है.

समीक्षा के दौरान पीडब्ल्यूडी, राजस्व, यातायात पुलिस, एनएचएआई और एमपीआरडीसी के अधिकारियों द्वारा कई बिंदुओं पर संतोषजनक जानकारी प्रस्तुत नहीं किए जाने पर सांसद शर्मा ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की. उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि 'अगली समीक्षा बैठक में सभी अधिकारी पूरी तैयारी और अद्यतन जानकारी के साथ उपस्थित हों. अधूरी जानकारी और लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी. जिन कार्यों के निर्देश दिए गए हैं, उन्हें निर्धारित समय-सीमा में हर हाल में पूरा किया जाए.

गांजा तस्कर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

भोपाल, 16 जुलाई. अयोध्यानगर थाना पुलिस ने एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है. आरोपी झुग्गी बस्तियों में घूमते हुए अपनी जेब में गांजे की पुड़िया रख कर ग्राहकों को सप्लाई करता था. पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाये जा रहे नशे से दूरी है जरूरी 2.0, अभियान के तहत पुलिस की कार्रवाई जारी है. थाना प्रभारी निरीक्षक महेश लिल्हारे की अगुवाई में पुलिस की टीम ने आरोपी के पास से भारी मात्रा में गांजा जब्त किया है, जिसकी कीमत करीबन 10 हजार रुपये है. आरोपी ने पुछताछ में अपना नाम मोहन उर्फ बाला जाटव उम्र 38 साल निवासी झील नगर बताया.

बड़े तालाब से पुलिस ने बरामद किया हथियार

बुजुर्ग दंपत्ति की हत्या के आरोपी पांच दिन की रिमांड पर

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 16 जुलाई. ऐशबाग इलाके में बुजुर्ग दंपत्ति हेमंत और उनकी पत्नी शकुंतला फिलमोन की हत्या के दोनों आरोपी पांच दिन की पुलिस रिमांड पर लिए गए हैं. गुरुवार को एसआईटी ने बड़े तालाब में फेंका गया हथियार बरामद किया. आरोपी श्रीकांत और शशिकांत चिचलिया ने व्हीआईपी रोड पहुंचकर बड़े तलाब में हथियार फेंक दिए थे.

पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने दोहरे हत्याकांड में इस्तेमाल हुआ हथियार पानी में फेंकने की बात कही. पुलिस ने गोताखोरों की मदद से हथियार बरामद कर लिया है. जानकारी के मुताबिक आरोपी श्रीकांत और शशीकांत चिचलिया पूछताछ के दौरान पुलिस को गुमराह करने की भी कोशिश कर रहे हैं. दोनों ही आरोपी सगे भाई हैं और दंपति की हत्या उसकी संपत्ति हथियाने के उद्देश्य से आरोपियों ने की थी. इसके साथ ही एसआईटी मामले में दंपति के कुछ रिश्तेदारों से भी अभी पूछताछ कर रही है.

बताया जा रहा है कि हेमंत की भाभी ने आरोपी प्रापर्टी ब्रोकर श्रीकांत से करीब एक साल पहले शकुंतला से मुलाकात कराई थी. शकुंतला को रुपए की जरूरत थी और श्रीकांत ने उन्हें उधार के तौर पर रुपए दिए थे. मामले में यह भी जानकारी सामने आई है कि शकुंतला नशे की शौकीन थी और इसके चलते वह बहुत रुपए खर्च करती थी. कई बार शकुंतला को आर्थिक तंगी भी झेलनी पड़ रही थी. दोनों ही बुजुर्गों के बीच इस बात को लेकर मतभेद भी बना रहता था. दोनों ही अपनी-अपनी मिलने वाली पेंशन के रुपए से अपना खर्च भी चलाते थे. आरोपी श्रीकांत ने शकुंतला को जो रुपए दिए थे. इसके बदले वह उनकी पूरी प्रापर्टी हथियाने की योजना बना चुका था और आरोपी एक दान पत्र पर उनकी सिग्नेचर भी करा चुका था.